JAIPUR METRO
जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड़
खनिज भवन, उद्योग भवन परिसर, तिलक मार्ग, सी–स्कीम, जयपुर–302005
दूरभाष 0141–5192411
Email : jmrc.pro@gmail.com

दिनांक 10.06.2015

जयपुर मेट्रो के सफल संचालन का एक सप्ताह पूरा हुआ

10 जून, 2015 जयपुर। जयपुर मेट्रो का लोकार्पण दिनाकं 3 जून 2015 को माननीया मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। उसके बाद इसी दिन दोपहर 2.00 बजे से इसे आमजन के लिये भी शुरू कर दिया गया। आज दिनांक 10 जून को दोपहर 2 बजे जयपुर मेट्रो ने संचालन का सफल एक सप्ताह पूरा कर लिया है।

मेट्रो के संचालन के दिन से ही इसमें यात्रा करने के लिए लोगों में भारी उत्साह बना हुआ है, इसके लिए जेएमआरसी जयपुर वासियों, यात्रियों और साथ ही सकारात्मक कवरेज के लिए मीडियाकर्मियों को धन्यवाद देता है।

जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री निहालचंद गोयल ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को अवगत कराया कि जयपुर मेट्रो के शुरूआत वाले दिन से ही यात्रियों की संख्या में प्रतिदिन बढोतरी होती गई है।

उन्होंने बताया कि आज 10 जून को दोपहर 2 बजे सम्पूर्ण हुए पहले सप्ताह में जेएमआरसी द्वारा 1077 मेट्रो ट्रेनों का संचालन किया गया और लगभग 5 लाख यात्रियों ने जयपुर मेट्रो में सफर किया। इसके साथ ही जेएमआरसी को अब तक लगभग 65 लाख रूपये की आय एक सप्ताह में हुई है।

वहीं वीकेंड वाले दिनों में जयपुर मेट्रो में यात्रियों की संख्या काफी अधिक रही, रविवार को एक लाख पांच हजार से ज्यादा यात्रियों ने जयपुर मेट्रो की यात्रा का आनन्द लिया।

यह आंकडा जयपुर मेट्रो के प्रति लोगों के उत्साह को दर्शाता है। जेएमआरसी ने यात्रियों के लिये सुरक्षा के पूर्ण इंतजाम किये हैं, साथ ही जेएमआरसी अपनी सेवाओं को उत्कृष्ट बनाने के लिये निरन्तर प्रयास करती रहेगी।

जयपुर मेट्रो के संचालन में गत एक सप्ताह में मात्र दो बार जयपुर मेट्रो के विधिवत संचालन को बदला गया है, जिसके कारण निम्न है :

1. 3 जून 2015 को शाम के समय करीब 110 किलोमीटर प्रति घण्टे की तेज गति से आंधी चलने के कारण और सुरक्षा मापदण्डों से हवा की गति तेज होने के कारण मेट्रो को नियमानुसार लगभग 6 मिनट के लिये रोका गया।
2. दिनांक 9 जून को चांदपोल मेट्रो स्टेशन पर एक मेट्रो ट्रेन प्रस्थान के समय स्टेशन पर ही तकीनीकी खराबी होने से ट्रेन संचालन में 35 मिनट की देरी हुई। इस देरी के लिये जेएमआरसी ने यात्रियों से कोई पेनल्टी नहीं ली।

उपरोक्त कारणों से यात्रियों को हुई परेशानी के लिये जेएमआरसी ने खेद भी जताया है।

साथ ही श्री गोयल ने मीडिया को अवगत कराया कि जयपुर मेट्रो द्वारा जन सुविधा व सुरक्षा के लिये निम्न विशेष उपाय किये हैं :

1. <u>सवारियों के लिये ट्रेन चलाने से पहले एक खाली ट्रेन का संचालन :</u> सवारियों की सुरक्षा को देखते हए रोजना ट्रेन चलाने से पहले एक खाली पायलट ट्रेन चलायी जाती है, जो अधिकतम 25 किमी प्रतिघण्टा की गति से दोनों दिशाओं मानसरोवर से चांदपोल मेट्रो स्टेशन एंव चांदपोल से मानसरोवर मेट्रो स्टेशन तक चलायी जाती है।
2. <u>रात्रि में शिड्यूल एवं विशेष मेन्टेनेन्स :</u> मेट्रो ट्रेन ऑपरेशन के तहत रोजाना मेट्रो ट्रेन संचालन सुबह 6.45 से रात्रि 9.23 तक किया जाता है। अपनी शुरूआत गत 3 जून से ही रात्रि 10.00 से सुबह 5.00 बजे तक मेट्रो ट्रेक के लाइनों, इलेक्ट्रीक सिस्टम, सिग्नल एवं टेलीकॉम, ट्रेक व सिविल स्ट्रक्चर सहित अन्य मेन्टेनेन्स के समस्त कार्य किये जा रहे हैं। अगले दिन मेट्रो के सुरक्षित एवं सुचारू संचालन के लिये यह अनुरक्षण कार्य जरूरी है।
3. हॉट स्टैण्ड बाइ ट्रेन की व्यवस्था : किसी तरह की आपातकालीन एवं तत्काल आवश्यकता के लिये जैसे यात्रियों की अतिरिक्त भीड हो जाने पर या संचालित किसी भी ट्रेन में कोई भी खराबी प्रतीत होने पर इसे सेवा से हटाने की स्थिति में एक अतिरिक्त फिट टू रन मेट्रो ट्रेन यात्री संचालन कराने हेतु हॉट स्टैण्ड बाइ के रूप में मानसरोवर डिपो में तैयार रहती है।
4. <u>सप्ताहंत पर अतिरिक्त टिकट काउंटर :</u> सप्ताहंत पर शनिवार व रविवार को यात्रियों को राहत देने के लिये मानसरोवर और चांदपोल मेट्रो स्टेशन पर यात्रियों के लिये एक–एक अतिरिक्ति टिकट विंडो की व्यवस्था भी की गई है। जहां पर केवल 15 रूपये वाला टोकन ही मिल सकेगा।

उन्होंने मीडिया के जरिये आमजन से भी अपील की है कि मेट्रो का टिकिट/कार्ड सिंगल यात्रा के लिये ही है। यात्रा समाप्ति पर सभी यात्रियों के लिये गंतव्य स्टेशन के एएफसी गेट से निकास जरूरी है। यदि पुनः उसी स्टेशन से यात्रा शुरू करनी है तो सभी यात्रियों को टिकिट कार्ड के साथ एएफसी गेट से प्रवेश करना आवश्यक है। कोई भी यात्री पेड एरिया में केवल 60 मिनट ही रूक सकता है। साथ ही अगर वह यात्रा नहीं करता है तो उसे स्टेशन परिसर से 20 मिनट में बाहर निकलना होगा। उसके बाद मेट्रो के पेड एरिया/परिसर में रूकने पर यात्री से पेनल्टी वसूल करने का प्रावधान रखा गया है।

कोई यात्री अपने साथ अगर पानी की बोतल या अन्य पेय पदार्थ लेकर आता है तो उसे अच्छी तरह से बंद करके रखे ताकि तरल पदार्थ लीक नहीं हो, क्यों कि कुछ दिनों पूर्व एक एक्सरे स्कैनर मशीन पर पानी लीक होकर गिर जाने से मशीन खराब हो गयी थी, जिससे मेट्रो की सुरक्षा जांच में बाधा एवं देरी हुई थी।

जनसंपर्क अधिकारी